26-7-23

पत्रावली पेश। वकील वादी एवं वादिया स्वयं उपस्थित। एक प्रार्थना पत्र राजीनामा पेश करके वादपत्र को राजीनामा होने पर आगे नहीं चलाने का अंकन करते वाद पत्र को इसी स्तर पर खारिज करने का निवेदन किया। वकील प्रतिवादीगण प्रार्थना पत्र पर नो ऑब्जेक्शन करते हुए प्रार्थना पत्र स्वीकार करने की सहमति प्रकट करने पर प्रार्थना पत्र राजीनामा के आधार पर वादी का वाद पत्र इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रावली निर्णय सुमार होकर नम्बर से कम हो।

आदेश खुले न्यायालय में लिखा जाकर सुनाया गया।

(अमिता बिश्नोई)
RJS

लेपाको।
कुमार